दूसरों पर गलत आरोप लगाना पाप हैः आचार्यश्री महाश्रमण
केलवा में चातुर्मास, कल से शुरू होंगे पर्युषण पर्व के कार्यक्रम

केलवाः 24 अगस्त

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि दूसरों पर गलत आरोप लगाना पाप है। दूसरों की निंदा करना, आलोचना करना सरल है, पर स्वयं की पहचान करना कठिन है। व्यक्ति दूसरों के संदर्भ में सत्य जानकारी न करने के बावजूद आरोप लगा देता है यह उचित नहीं है।

आचार्यश्री ने यह उद्‌गार यहां तेरापंथ समवसरण में चल रहे चातुर्मास के दौरान बुधवार को दैनिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने हजारों की संख्या में उपस्थित श्रावक समाज को संबोधित करते हुए कहा कि किसी की गल्ती होती है तो उसे फैलाना अनुचित है। उस गल्ती का अहसास व्यक्ति को करा देना चाहिए, पर असत्य आरोप नहीं लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा गतिशील मन है। मन को साधने का अभ्यास होना चाहिए। शरीर यहां बैठा रहता है और अमरीका की यात्रा करके आ जाता है। मन को नियंत्रित करना आ जाता है तो व्यक्ति दूसरों की गलत आलोचना नहीं करेगा और केवल दूसरों को ही नहीं देखेगा, स्वयं की पहचान करने का प्रयास करेगा। मन नियंत्रित होने से क्रिया करते हुए भी साधना कर सकते है। जिस समय जो क्रिया कर रहे है उसी में मन रम जाए तो एकाग्रता साथ रहती है। भावक्रिया हो सकती है।

आचार्यश्री ने व्यस्त जीवन चर्या में बिन समय नियोजित किए धर्म को कैसे अपनाएं पर चर्चा करते हुए कहा कि ईमानदारी, नैतिकता ऐसे सूत्र है जिनकों जीवन में उतारने के लिए अलग समय नहीं लगाना चाहिए। जब व्यापार में, कार्यों में ईमानदारी, नैतिकता होगी तो धर्म की आराधना अपने आप होने लग जाएगी। अणुव्रत यही सिखाता है कि उसको अपनाने के लिए विशेष समय देने की जरुरत नहीं है। आज की अनेक समस्याओं का समाधान इस अणुव्रत से हो सकता है। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री महाप्रज्ञ द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रेक्षाध्यान आत्मिक सुखों को पाने में योगदूत बन सकता है। प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों से हम मन, वचन, काया की प्रवृति को संतुलित कर सकते है। अनावश्यक प्रवृति से बचा जा सकता है। अनावश्यक प्रवृति से बचना बहुत बडी साधना है।

इस मौके पर मंत्री मुनि सुमेरमल ने कहा कि मनुष्य जीवन दुधारी तलवार है। मनुष्य बहुत शक्तिशाली प्राणी है। उसके पास मन, वचन और काया की बहुत बडी शक्ति है। आवश्यकता है कि वह इस शक्ति का उपयोग बंधन को तोडने में करें। इसका उपयोग

आत्मा को उज्जवल बनाने में हो। 9 की तपस्या करने वाले सुमित सांखला ने भी इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किए। संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

पर्युषण पर्व दिवस कल से

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में 26 अगस्त से तेरापंथ समवसरण भिक्षु विहार रोड केलवा में पर्युषण पर्व दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम शुरु होंगे। 26 अगस्त को पहले दिन खाद्य संयम दिवस, 27 अगस्त को स्वाध्याय दिवस, 28 अगस्त को सामायिक दिवस, 29 अगस्त को वाणी संयम दिवस, 30 अगस्त को अणुव्रत चेतना दिवस, 31 अगस्त को जप दिवस, एक सितम्बर को ध्यान दिवस, दो सितम्बर को संवत्सरी महापर्व तथा तीन सितम्बर को क्षमापना दिवस मनाया जाएगा। इस दरम्यान प्रतिदिन सुबह सवा पांच बजे से सवा छह बजे तक जप, अर्हत्–वंदना, गुरु वंदना, वृहद् मंगलपाठ, पाथेय, साढे छह बजे से सवा सात बजे तक आसन–प्राणायाम, साढे आठ से नौ बजे तक आगम–वाचन, नौ से ग्यारह बजे तक प्रवचन, सवा ग्यारह बजे से दोपहर बारह बजे तक प्रेक्षाध्यान सिद्धांत प्रयोग, दो से ढाई बजे तक नमस्कार महामंत्र जाप, ढाई से सवा तीन बजे तक व्याख्यान, साढे तीन बजे से चार बजे तक ध्यान, अनुप्रेक्षा, शाम पौने सात बजे से पौने आठ बजे तक गुरु वंदना–प्रतिक्रमण तथा रात आठ बजे से साढे नौ बजे तक अर्हत् वंदना–वक्तव्य होगा।

सुखी बनों पुस्तक के प्रति बढती जा रही तादाद

आचार्यश्री महाश्रमण की पुस्तक सुखी बनों के प्रति पाठकों की तादाद में निरन्तर वृद्धि जारी हैं। इस पुस्तक के प्रथम दो संस्करण के हाथों हाथ बिक जाने के बाद तीसरा संस्करण विक्रय के लिए यहां उपलब्ध है। पुस्तक के लिए पाठकों की कतार हर समय देखी जा सकती है।

स्वफूर्त बंद रहा केलवा, छात्रों ने निकाली रैली
बाजारों में छाया सन्नाटा, ग्रामीणों ने की नारेबाजी

केलवाः 24 अगस्त

गांधीवादी विचारक अन्ना हजारे के आन्दोलन के समर्थन में बुधवार को केलवा कस्बे के बाजार पूरी तरह बंद रहे और विद्यार्थियों ने रैली निकालकर ग्रामीणों के उत्साह में जोश भर दिया। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी कर वातावरण को गुंजायमान कर दिया। सत्याग्रह आंदोलन समिति के आह्वान पर व्यापारियों ने स्वतः ही अपने प्रतिष्ठान बंद रखते हुए आंदोलन के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

सुबह से ही बस स्टेण्ड, सूरजपोल, केलवा चौपाटी पर तो हालात यह थे कि चाय–पान की थडिया और सब्जियां बेचने वालों ने भी अपना समर्थन दिया। इससे चाय, गुटके की तलब वाले दिनभर इनके लिए तरस गए। बंद के दौरान पूरे कस्बे में रैली निकाली

गई। इसमें शामिल विद्यार्थी व गणमान्य नागरिक तख्तियां लेकर गगनभेदी नारों के स्वर के साथ चल रहे थे। रैली जलमंदिर से प्रारंभ होकर भिक्षु विहार मार्ग से हायर सैकण्डरी स्कूल, पालीवाल मोहल्ला, छतरी चौक, खटीक मोहल्ला, रेगर बस्ती होते हुए पुनः जलमंदिर पहुंची और आमसभा में परिवर्तित हो गई। सभा को डॉ. महेन्द्र कर्णावट, कैलाश जोशी, रेवानाथ मिश्रा, भगवान शर्मा आदि ने संबोधित किया। रैली में पूर्व सरपंच श्यामलाल सांवरिया, राजकुमार पालीवाल, सुरेश सोनी, देवेन्द्र पालीवाल, सुरेश जोशी, मोहनलाल टेलर, दिनेश बोराणा हुक्मीराम साहू आदि उपस्थित थे।

अन्ना तुम संघर्ष करो
हम तुम्हारे साथ है।
जो साथ नहीं

आचार्य महाश्रमण
अमृत महोत्सव
अन्ना तुम संघर्ष करो
हम तुम्हारे साथ है।
जो साथ नहीं वो भ्रष्ट है।
भ्रष्टाचार भारत छोड़ो